Odisha State Open University
Sambalpur

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय
सम्बलपुर

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष

पर्याय-1 (Semester-I)

सत्रीय कार्य

सत्र - जुलाई 2019 से जून 2020

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ लें]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी स्नातकोत्तर कार्यक्रम में आपका स्वागत है।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (Course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें; जिसके बिना आप परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएंगे। इसमें उत्तीर्ण होने के लिए आपको कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा जमा न करने की स्थिति में आपको अगले सत्र के लिए निर्द्धारित सत्रीय कार्य का उत्तर लिखकर जमा करवाना होगा।

सत्रीय कार्य का महत्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंकों का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्द्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 25 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 25 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 75 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप-रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध एम.ए. हिंदी कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पर्याय-1 (प्रथम सेमिस्टर) में एम.एच.डी-02 और एम.एच.डी-03, इस प्रकार 8-8 क्रेडिट के दो पाठ्यक्रम हैं। इन में से प्रत्येक पाठ्यक्रम की अध्ययन-सामग्री आपको 6-6 खंडों में उपलब्ध करवाई गई है।

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट के लिए एक प्रश्नपत्र होगा, यानी 8 क्रेडिट के एक पाठ्यक्रम पर आधारित दो प्रश्नपत्र होंगे। अत: आपको प्रथम वर्ष के प्रथम सेमिस्टर के दो पाठ्यक्रमों के लिए कुल 4 प्रश्नपत्रों के उत्तर देने हैं।

इसके लिए एम.एच.डी- 02 के खंड- 1, 2 और 3 पर आधारित एक प्रश्नपत्र-1 तथा खंड- 4, 5 एवं 6 पर आधारित प्रश्नपत्र-2 तैयार किया गया है।

उसी प्रकार एम.एच.डी-03 के खंड- 1, 2 और 3 पर आधारित प्रश्नपत्र-1 तथा खंड- 4, 5 एवं 6 पर आधारित प्रश्नपत्र- 2 तैयार किया गया है। इस प्रकार इस सत्रीय कार्य-पुस्तिका में हिंदी एम.ए के प्रथम वर्ष के पर्याय-1 यानी प्रथम सेमिस्टर हेतु कुल 4 प्रश्नपत्र दिए गए हैं।

स्नातकोत्तर स्तर पर परीक्षा में पूछे जाने वाले सवाल केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं होते। अत: विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि वे उपलब्ध करवाई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करके हिंदी साहित्य और आलोचना के क्षेत्र में समुचित ज्ञान प्राप्त करें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संम्बंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की है। सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य-सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके सम्बंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें; उत्तर देते समय आप विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करवाई गई सामग्री को पुनर्प्रस्तुत न करें, बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-समझकर अपने शब्दों में लिख सकें। आपके उत्तर में आपके अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपकी पकड़ का समुचित प्रतिफलन होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए जाँचकर्ता इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

1. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर कागज के एक ही तरफ लिखें।
3. जाँचकर्ता के उपयोग के लिए कागज की बाईं ओर कम से कम एक इंच का हाशिया अवश्य छोड़ें। यदि कागज के दोनों तरफ उत्तर लिखते हैं तो पीछे की ओर लिखते समय बाईं ओर के साथ साथ दाहिनी ओर भी हाशिया छोड़ें ताकि आपके उत्तर का कोई अंश पुस्तिका को सिलाई करते समय अंदर दब न जाए।
4. प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर वाले हाशिए में पृष्ठ-संख्या अंकित करके उन्हें अच्छी तरह सिलाई कर लें।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले बाईं ओर छोड़े गए हाशिए पर प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर लिखें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन करें

1. प्रश्न में जो पूछा गया है, उसे अच्छी तरह समझकर उत्तर लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें; जो नहीं पूछा गया हो, उसे न लिखें।
2. व्याख्या से संम्बंधित उत्तर में संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या, भाषा-शैली व अन्य विशेष बातों का उल्लेख अवश्य करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. आपका उत्तर संक्षिप्त व सारगर्भक हो, इस पर ध्यान दें।
5. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
6. लेखन में भाषागत त्रुटि न हो, वर्तनी और व्याकरणगत गलतियों से बचें।
7. प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्द्धारित शब्द-सीमा का अतिक्रमण न करने का यथासम्भव प्रयास करें।
8. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें, अस्पष्ट लिखावट से जाँचकर्ता को उसे पढ़ने में दिक्कत होगी और इससे वे आपके उत्तर से न्याय नहीं कर सकेंगे।
9. जिन बातों पर बल देना चाहते हैं, उन्हें आप रेखांकित कर सकते हैं, परंतु इसके लिए आप लाल स्याही का उपयोग न करें।
10. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।
11. अपनी उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
12. प्रथम पृष्ठ की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और अपने अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड लिखिए।

अनुक्रमांक.....

नाम.....

पता.....

कार्यक्रम का नाम- स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी) **MAHD**

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य (Assignment) कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

दिनांक.....

मुक्त व दूर शिक्षा पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य की अपनी विशेष भूमिका है। यह विद्यार्थियों की उपलब्धियों के निरंतर व सामग्रिक मूल्यांकन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण अंग है। सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का उत्तर आप अपने घर पर ही बैठकर लिखेंगे जिसमें समय अथवा पाठ्य-सामग्री के उपयोग की कोई पाबंदी नहीं है। अत: आपसे अपेक्षा की जाते है कि इस कार्य को आप बखूबी कर सकते हैं। इस पुस्तिका में दिए गए प्रश्नपत्रों के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सत्रांत परीक्षा में आपके लिए प्रश्नों के विकल्प उपलब्ध होंगे जिनमें से आप अपनी सुविधानुसार प्रश्नों का चयन कर सकेंगे।

आपके अध्ययन केंद्र में इसका मूल्यांकन करके जाँचकर्ता के मंतव्यों के साथ आपको लौटा दिया जाएगा, जिससे आप अपनी सफलता व कमियों को समझकर तदनुसार अंतिम परीक्षा के लिए अपनी तैयारी कर सकेंगे। सत्रीय कार्य के माध्यम से आप अपने जाँचकर्ता व शिक्षण सलाहकार से द्विपक्षीय सम्पर्क स्थापित कर सकेंगे।

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड संख्या	क्रेडिट	अंतिम तिथि	वार
1	एम.एच.डी- 02	आधुनिक हिंदी काव्य-1	खंड- 1, 2, 3	4	20 अक्तूबर, 2019	रविवार
2	एम.एच.डी- 02	आधुनिक हिंदी काव्य-2	खंड- 4, 5, 6	4	3 नवम्बर, 2019	रविवार
3	एम.एच.डी- 03	उपन्यास एवं कहानी	**उपन्यास** खंड- 1, 2, 3	4	20 अक्तूबर, 2019	रविवार
4	एम.एच.डी- 03	उपन्यास एवं कहानी	**कहानी** खंड- 4, 5, 6	4	3 नवम्बर, 2019	रविवार

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी- 02
Assignment Code: TMA/July19/MAHD-2/1

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-1

सत्र - जुलाई 2019 से जून 2020

पाठ्यक्रम का नाम : आधुनिक काव्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **02**

खंड - 01, 02, 03 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर 50 शब्दों में लिखिए। **[2x5=10]**

(क) 'जूही की कली' कविता के रचयिता कौन हैं? इसमें वर्णित मुख्य विषय क्या है?

(ख) 'प्रथम रश्मि' कविता में कवि ने प्रकृति के माध्यम से किस बात की ओर इशारा किया है?

(ग) महादेवी वर्मा के काव्य का प्रमुख प्रेरक तत्व क्या है?

(घ) भारतेंदु हरिश्चंद्र के काव्य के केंद्रीय भाव क्या हैं?

(ङ) मैथिली शरण गुप्त के काव्य की मूल संवेदना क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखिए। **[5x4=20]**

(क) साकेत काव्य में किस नारी का वर्णन मिलता है संक्षेप में बताइए।

(ख) भारतेन्दु की कविता में नवजागरण की अवधारणा क्या है? समझाइए।

(ग) छायावाद युगीन कवियों में "प्रकृति का कवि' किसे कहा गया है उनकी दो काव्य रचनाओं के नाम बताइए।

(घ) आधुनिक हिंदी काव्य परंपरा में मैथलीशरण गुप्त विचारधारा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में कीजिए। **[10x4=40]**

(क) शीतल ज्वाला जलती है ईंधन होता दृग-जल का
यह व्यर्थ साँस चल-चलकर करती है काम अनल का।

(ख) शशी किरणों से उतर-उतर कर
भूपर कामरूप नमचर
चूम नवल नवल कलियों को मृदु मुख
सिखा रहे थे मुसकाना;
स्नेहहीन तारों के दीपक
श्वास-शून्य थे तरू के पात,
विचर रहे थे स्वप्न अवनि में
तम ने था मंडल ताना।

(ग) मानस - मंदिर में सती, पति की प्रतिमा थाप,
जलती-सी उस विरह में, बनी आरती आप।
आँखों में प्रिय मूर्ति थी, भूले थे सब भोग;
हुआ योग से भी अधिक, उसका विषम वियोग।

(घ) विजन - वन वल्लरी पर
सोती थी सुहाग-भरी-स्नेह-स्वप्न-मग्न-अमल-कोमल-तनु तरुणी-जुही की कली,
दृग बंद किये, शिथिल-पत्रांक में

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में लिखिए। **[15x2=30]**

(क) भारतेन्दु की काव्य - भाषा और शिल्प का विवेचन कीजिए।

(ख) मैथलीशरण गुप्त की कविता की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए।

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-2

सत्र - जुलाई 2019 से जून 2020

पाठ्यक्रम का नाम : आधुनिक काव्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **02**

खंड- 04, 05, 06 (क्रेडिट- 4) **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (2x5=10)
   - (क) इन्दुमति कौन थी?
   - (ख) शिव की तीसरी आँख से निकली ज्वाला में कौन भस्म हो गया था?
   - (ग) मुक्तिबोध की कविता में किस वर्ग के प्रति संवेदना प्रकट की गई है?
   - (घ) "रामदास' कविता किस कवि की रचना है?
   - (ङ) कवि "कलगी बाजरे' की कविता में अपनी प्रेमिका से क्या कहते हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। (5x4=20)
   - (क) "कालीदास' कविता में कवि कालीदास से क्या प्रश्न करते हैं?
   - (ख) "अकाल के बाद' कवि घर में इस प्रकार का परिवर्तन परलक्षित करते हैं?
   - (ग) रामदास कविता में वर्णित संदेवनहीनता पर संक्षेप में प्रकाश डालिए?
   - (घ) धूमिल किस विचारधारा की कविता लिखते हैं तथा उनकी किस वर्ग से सहानुभूति है?

3. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (10x4=40)

   (क) चौड़ी चड़क गली पतली थी
   दिन का समय घनी बदली थी
   रामदास उस दिन उदास था
   अंत समय आ गया पास था,
   उसे बता, यह दिया गया था, उसकी हत्या होगी।

   (ख) कामदेव जब भस्म हो गया
   रति का क्रन्दन सुन आंसू से
   तुमने ही तो दृग धोये थे
   कालीदास, सच-सच बतलाना
   रति रोई या तुम रोये थे?

   (ग) नही कारण कि मेरा हृदय उथला या कि सूना है।
   या कि मेरा प्यार मैला है।
   बल्कि केवल यही :
   ये उपमान मैला हो गये हैं।

(घ) मित्रों -

दो ही रास्ते हैं :
दुर्नीति पर चलें, नीति पर बहस बनाए रखें,
दुराचार करे, सदाचार की चर्चा चलाए रखे ;
असत्य कहें, असत्य करें, असत्य जिएँ -
सत्य के लिए मर मिटने की आन नहीं छोड़ें ;
अंत में
प्राण तो सभी छोड़ते हैं
व्यर्थ के लिए
हम प्राण नहीं छोड़ें
मित्रों तीसरा रास्ता भी है -
मगर यह मगध, अवंती, कौशल या विदर्भ होकर नहीं जाता।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए : (15x2=30)

(क) नागार्जुन के काव्य में निहित व्यंग-दृष्टि को सोदाहरण परिचय दीजिए।

(ख) मुक्तिबोध की कविता का मुख्य स्वर क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

एम.एच.डी- 03
Assignment Code: TMA/July19/MAHD-3/1

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-3

सत्र - जुलाई 2019 से जून 2020

पाठ्यक्रम का नाम : उपन्यास एवं कहानी

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **03**

खंड-एम.एच.डी- 01, 02, 03 (क्रेडिट- 4) उपन्यास **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (2x5=10)
   (क) "गोदान' उपन्यास की मुख्य समस्या क्या है?
   (ख) "गोदान' के दो पुरुष पात्रों के नाम बताइए?
   (ग) "धरती धन न अपना' उपन्यास के उपन्यासकार का नाम बताइए?
   (घ) "धरती धन न अपना' किस स्थान और काल-खंड को शामिल किया गया है?
   (ङ) "सूखा बरगद' उपन्यास की मुख्य समस्या क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए । (5x4=20)
   (क) "गोदान' उपन्यास में गाय के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
   (ख) "क्या मैला आँचल' एक आंचलिक उपन्यास है? अपना उत्तर स्पष्ट कीजिए।
   (ग) "बाणभट्ट की आत्मकथा' इतिहास है कि कल्पना - अपना तर्क प्रस्तुत कीजिए।
   (घ) "धरती धन न अपना' में काली के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए । (10x4=40)
   (क) "सुख बरगद' उपन्यास में देश विभाजन की प्रतिध्वनि किस तरह सुनाई पड़ती है - अपने शब्दों में लिखिए।
   (ख) "बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में निहित नारी-विमर्श की चर्चा कीजिए।
   (ग) "गोदान' में अभिव्यक्त प्रेमचंद की जनतांत्रिक दृष्टि का विवेचन कीजिए।
   (घ) "मैला आँचल' उपन्यास की भाषिक शिख्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)
   (क) "धरती धन अपना' उपन्यास में भारतीय समाज व्यवस्था की किस सच्चाई को उजागार किया गया है- सविस्तार रेखांकित कीजिए।
   (ख) "होरी' को किसान से मजदूर बनाने वाले शोषण तंत्र की समीक्षा कीजिए।

एम.एच.डी- 03
Assignment Code: TMA/July19/MAHD-3/2

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) - 1

सत्रीय कार्य-4

सत्र - जुलाई 2019 से जून 2020

पाठ्यक्रम का नाम : उपन्यास एवं कहानी

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी- **03**

खंड-एम.एच.डी- 04, 05, 06 (क्रेडिट- 4) कहानी **पूर्णांक- 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्द्धारित शब्दों के अंदर ही उत्तर देने का प्रयास करें **]**

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। (2x5=10)
   - (क) किन्हीं दो सठोत्तरी कहानीकारों के नाम बताइए?
   - (ख) "ठाकुर का कुआँ' कहानी की आड़ में लेखक क्या संदेश देना चाहता है?
   - (ग) "पुरस्कार' कहानी के मुख्य पात्र का नाम बताइए?
   - (घ) "तिरिछ' कहानी का प्रतीकात्मक अर्थ बताइए?
   - (ङ) "त्रिशंकु' कहानी में त्रिशंकु किसका प्रतीक है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए । (5x4=20)
   - (क) "कर्मनाशा की हार' कहानी का आशय क्या है?
   - (ख) "पिता' कहानी के पिता की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।
   - (ग) "भोलाराम का जीव' में व्याप्त भ्रष्ट नौकरशाही पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
   - (घ) "एक दिन का मेहमान' कहानी के आधार पर स्त्री-पुरुष संबंधों के युगीन यथार्थ का प्रतिपादन कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए । (10x4=40)
   - (क) साठोत्तरी कहानी के भाव-बोध पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
   - (ख) "तिरिछ' कहानी में लेखक का उद्देश्य क्या है - सविस्तृत वर्णन कीजिए।
   - (ग) "पुरस्कार' कहानी में अभिव्यक्त प्रसाद की राष्ट्रीय भावना पर चर्चा कीजिए।
   - (घ) "पिता' कहानी के सामाजिक यथार्थ विषय पर आलोचना कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। (15x2=30)
   - (क) नई कहानी के भाव-बोध पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
   - (ख) पुरातन परंपरा और नैतिकता के खोखले मूल्यों को स्त्री जीवन के संदर्भ में "कर्मनाशा की हार' के आधार पर समीक्षा कीजिए।